|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ज्योतिष ब्लॉग ||

|| विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त **ज्योतिष** परामर्श ||

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Mohit	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	16 / 12 / 1988	TIME OF BIRTH :	09:15:00 PM
CITY :	Delhi	STATE :	Delhi
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Vedic Horoscope Consultation
QUESTION(S) :	1. प्रॉपर्टी कब बनेगी? 2. बिज़नेस अच्छा कब होगा? 3. मुसीबतों से छुटकारा कब मिलेगा? 4. एक सुखी जीवन कब व्यतीत होगा?		
Mobile No. : 9999920538		Email ID : msapra2009@gmail.com	
ORDER ID : #1047	PAYMENT ID : 215562506	AMOUNT : ₹596	
Order Date : 28/10/2018		Delivery Date : 31/10/2018	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	कर्क
राशि :	मीन
ईष्ट देव :	हनुमानजी

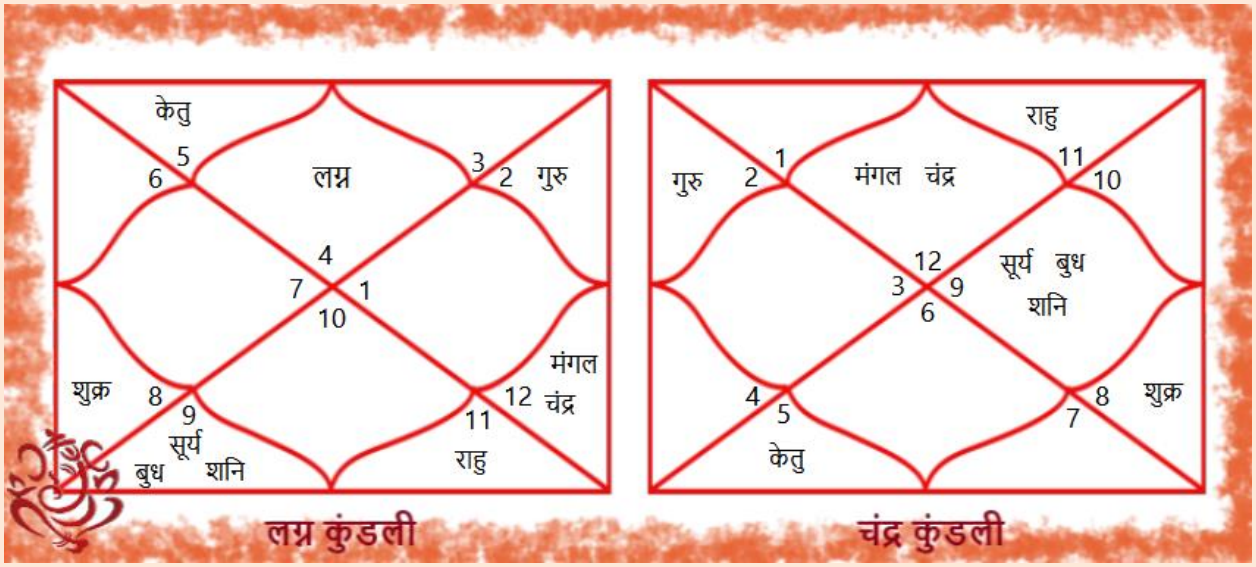

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान मोहित जी, आप एक मेहनती व्यक्ति हैं | आप किसी को भी अपनी बात बड़ी ही सरलता से समझा सकते हैं | वाक्चातुर्य आपमें कूट कूट कर भरा हुआ है | दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की कला आपको आती है व आप ऐसा न भी करो तो दूसरे आपकी और सहसा आकर्षित हो ही जाते हैं | आप अपने निर्णय स्वमं लेने में विश्वास रखते हैं व आप ऐसा करते भी हैं | आप सेल्फ मेड व्यक्ति हैं | आप बिज़नेस माइंडेड हैं | आप प्रेम विवाह में विश्वास रखते हैं | आप अपने माता पिता से दूर अथवा अलग होकर रह रहे हों ऐसा आपकी कुंडली बतलाती हैं | माता - पिता का साथ व सहयोग आपको कम ही प्राप्त होता है | पितरों का आशीर्वाद आपको नहीं मिल रहा हैं | बृहस्पति ग्रह लाभ स्थान में स्थित होने पर भी फलदाई नहीं हैं क्यूंकि यह राहु व केतु से पीड़ित हैं साथ ही वक्री अवस्था में भी हैं | किसी ग्रह की वक्री स्थिति उसके द्वारा प्रदत्त बुरे प्रभाव को और अधिक बुरा व अच्छे प्रभाव को और अधिक अच्छा करती हैं | इस कारण आपको व्यापार में उतना लाभ नहीं मिल पा रहा हैं जितना कि आप अपेक्षा रखते हैं अथवा जितनी आप अपने व्यापार में मेहनत करते हैं | अधिक क्रोध करना भी आपको अपने कार्यों में पीछे धकेल रहा हैं |

कुंडली में मंगल व चन्द्रमा ग्रह की युति प्रकृति ऋण दोष उत्पन्न कर रही हैं इस कारण आपको अनचाही परेशानी व मुसीबतें सदैव घेरे रहती हैं | अच्छे के बाद बुरा व बुरे के बाद अच्छा समय सबके जीवन में आता हैं उतार चढ़ाव सभी के जीवन में आने जाने हैं किन्तु आपको परेशानियाँ अनायास ही पीड़ित करती रहती हैं | कमाया हुआ धन आते के साथ अनावश्यक व व्यर्थ के कार्यों अथवा चिकित्सा व्ययों में खर्च हो जाता हैं |

संपत्ति :-

आपके द्वारा पूछे गए प्रश्न के अनुसार- आपकी संपत्ति बहुत स्ट्रगल के बाद 2027 के पश्चात बनेगी | आपके भाग्योदय का भी वर्ष 2027 ही हैं | संपत्ति, पत्नी की सहायता से व पत्नी के माध्यम से बनने के योग हैं | इसके लिए माता - पिता का आशीर्वाद अत्यंत आवश्यक हैं | 2020 में धन लाभ होने के योग हैं किन्तु यह चिकित्सा व्ययों में खर्च हो इसकी भी संभावना हैं |

संपत्ति हेतु उपाय :-

- आपके ईष्ट हनुमान जी हैं अतः आपको हनुमान जी को जीवन पर्यन्त प्रसन्न रखना हैं |
- प्रत्येक मंगलवार के दिन चमेली का तेल हनुमान जी को भेंट करें |
- प्रत्येक मंगलवार के दिन बंदरों को भुना चना व गुड़ खिलाएं |
- प्रत्येक मंगलवार के दिन मंदिर में अपनी सेवा दें (मंदिर में झाड़ू पोछा लगाकर साफ़ सफाई करें) |
- शुक्ल पक्ष के किसी मंगलवार को मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर किसी सुनसान स्थान (वीरान स्थान) पर मिट्टी में गाढ़ आएं | लौटते समय पीछे मुड़कर न देखें |
- मंगलवार के दिन 11 पान के पत्ते लें व उनपर श्रद्धा भाव से केसर अथवा लाल सिन्दूर से "राम" लिखें व हनुमान जी को भेंट करें व उनसे अपनी तरक्की की कामना करें |
- हनुमान जयंती पर 108 पान के पत्तों पर "राम" लिखकर उनकी एक माला बनाएं व हनुमान जी को पहना दें |

* यदि आप उक्त दिए गए उपाय निरंतर करेंगे तो आपकी कुंडली में संपत्ति अर्जित करने के योग बलवती होकर समय पूर्व ही आपके मनोरथ सिद्ध कर सकते हैं |

व्यापार :-

व्यापार में वृद्धि हेतु यदि आप अपने माता - पिता से अलग रह रहें हैं तो उनके साथ रहें | व्यापार में वृद्धि हेतु आपको अपने माता - पिता के आशीर्वाद व सहयोग की अत्यंत आवश्यकता हैं उनके बिना आपका व्यापार नहीं फलेगा-फूलेगा व आपकी पत्नी को भी कष्ट मिलेगा | कुंडली अनुसार 2027 में भाग्योदय के पश्चात ही सही मायनो में जीवन के समस्त क्षेत्रों में उन्ननती प्राप्त होगी | किन्तु निम्न दिए जा रहे उपायों को निरंतर रूप से करने पर समयपूर्व भी योग बलवती किये जा सकते हैं व समयपूर्व व्यापार में उन्नति व वृद्धि प्राप्त की जा सकती हैं |

व्यापार में उन्नति हेतु उपाय :-

- माता - पिता का सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त करें |
- व्यापारिक निर्णयों में बड़े बुजुर्गों का मत सम्मलित करें |
- अपने दोनों हाथ क्रॉस कर बुजुर्गों के चरण स्पर्श करें (आपका दाहिना हाथ उनके दाएं चरण को स्पर्श करे व आपका बाहिना हाथ उनके बाएं चरण को स्पर्श करे) |
- शरीर पर अधिक से अधिक स्वर्ण आभूषण धारण करें |
- दाहिने हाथ में ताम्बे का कड़ा धारण करें |

सुखी जीवन :-

आपकी कुंडली में प्रकृति ऋण हैं | कुंडली में चन्द्रमा व मंगल की युति के कारण यह ऋण पहचाना गया हैं| किसी जातक की कुंडली में प्रकृति ऋण तब आता हैं जब उस जातक के पूर्वजों द्वारा किसी कुत्ते को पीड़ित किया गया हो अथवा स्वमं के परिवार के भतीजे अथवा उसके परिवार को पीड़ित किया गया हो |

सुखी जीवन एवं मुसीबतों से छुटकारा हेतु उपाय :-

- प्रकृति ऋण के निवारण के लिए आपके परिवार में जितने भी आपके भाई हैं (सगे - चचेरे - तऊरे) सभी से 100 कुत्तों के एक समय के भोजन के लिए बराबर-बराबर मात्रा में धन एकत्र करें व 100 कुत्तों को आप अपने हाथों से भोजन कराएं | एक बार में 100 कुत्ते एक साथ उपलब्ध न होने पर 1 ही कुत्ते को 100 बार उस धन से आप भोजन करा सकते हैं | किन्तु शीघ्र लाभ तभी होगा जब आप 100 कुत्तों को एक साथ भोजन कराएँगे | इस प्रकार आप इस ऋण से मुक्त हो जायेंगे व आपको एक सुखी जीवन प्राप्त होगा एवं मुसीबतों से छुटकारा मिल जायेगा |
- चांदी की ईंट अपनी अलमारी (तिजोरी) में रखें |
- बैड के चारो पायों में चांदी की कील गढ़वाएं |
- अपने जन्म दिन पर आम का पौधा लगाएं व उसकी अच्छे से देखभाल करें |

♦ घर के निकट अथवा मंदिर में स्थित बढ़ (बरगद) के पेड़ की जड़ की मिट्टी में एक - दो चम्मच कच्चा दूध डालें व कच्चे दूध से भीगी मिट्टी को तर्जनी ऊँगली से उठाएं व अपने एवं अपनी पत्नी के मस्तक पर टीका करें | यह उपाय सूरज छिपने के पश्चात के समय (7 - 10 बजे) किये जाने पर अधिक प्रभावी सिद्ध रहता है |

ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं | यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

वैसे तो उक्त प्रस्तुत उपाय आपको जीवन पर्यन्त करने हैं किन्तु यदि आप उक्त दिए सम्पूर्ण उपायों को निरंतर, निष्ठा व श्रद्धा पूर्वक कम से कम एक वर्ष की अवधि तक करें तो आपके व्यापारिक, आर्थिक एवं सुख शांति के मार्ग में आ रहे व्यवधान व अवरोध दूर होने लगेंगे व आपको समय पूर्व सब कुछ तो नहीं हां बहुत कुछ अवश्य ही प्राप्त होना प्रारम्भ हो जायेगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास हैं |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

SANDEEP KUMAR SINGH

Digitally signed by SANDEEP KUMAR SINGH
Date: 2018.10.30 22:13:42 +05'30'

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —